



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 109]

नई दिल्ली, सोमवार, जुलाई 4, 1983/आषाढ 13, 1905

No. 109]

NEW DELHI, MONDAY, JULY 4, 1983/ASADHA 13, 1905

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य मंत्रालय

आयात व्यापार नियंत्रण

सार्वजनिक सूचना सं० 22-आई टी सी (पी एन)/83

नई दिल्ली, 4 जुलाई, 1983

विषय.—1983-84 के लिए कच्चे काजू के सम्बन्ध में
आयात और वितरण नीति ।

मिसिल सं० आई०पी०सी०/25/1/83.—वाणिज्य
मंत्रालय के सार्वजनिक सूचना सं० 10-आई० टी० सी०
(पी०एन०)/83 दिनांक 15 अप्रैल, 1983 के अन्तर्गत अप्रैल
1983-मार्च 1984 के लिए आयात-निर्यात नीति (जिल्द-1)
की ओर ध्यान दिलाया जाता है ।

2. 1983-84 की आयात नीति के अन्तर्गत कच्चे काजू
का आयात वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) निर्यात
सबनों/व्यापार सदनों और भारत के काजू निगम द्वारा निर्धारित
प्रावधानों के अनुसार किया जा सकता है ।

3. आयातित कच्चे काजू का 50 प्रतिशत जो पात्र
आयातक को भारत के काजू निगम के माध्यम से पात्र वास्त-
विक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए देना है, उसके वितरण

430 GI/83

की क्रिया विधि प्रस्तुत सार्वजनिक सूचना के पैरा 4 से 13
तक में उल्लिखित अनुसार होगी ।

1. पात्र आयातक आयात की खरीद को समाप्ति से
सात दिनों के भीतर औपचारिक ठेके पर हस्ताक्षर विचार-
धीन होते हुए, भी स्वयं द्वारा निमित्त खरीद के व्यौरों की
सूचना भारत के काजू निगम लि०, कांचीन को उस निगम
द्वारा निर्धारित प्रपत्र में लिखित रूप में भेजेगी । इस सूचना
के बाद आयात के लिए खरीद की समाप्ति से 15 दिनों
के भीतर ठेके की मूल प्रति और उसकी एक फोटोकॉपी प्रति काजू
निगम को पंजीकरण के लिए भेजी जाएगी । आयातक आयात
के लिए खरीद की सूचना के साथ-साथ खरीदारी के लागत-बीमा-
भाड़ा मूल्य के 1/2 % की दर से पंजीकरण का खर्च काजू
निगम को डिमाण्ड ड्राफ्ट द्वारा भेजेगा ।

5. उपर्युक्त पैरा 4 में उल्लिखित सूचना में नीचे पैरा
7 में उल्लिखित कीमत पर पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को
वितरण के लिए प्रदान किए जाने वाले कच्चे काजू की मात्रा
भी स्पष्ट रूप से निर्दिष्ट की जाएगी जो कि आयात के लिए
प्रस्तावित मात्रा के 50 प्रतिशत से किसी भी मामले में कम
नहीं होगी और बिक्री की अन्य शर्तों के अधीन होगी ।

6. निगम आयातक से ठेके की प्राप्ति से 7 दिनों के भीतर ठेके को और उसके साथ-साथ उस प्राधिकार पत्र को पंजीकृत करेगा जिसमें आयातक द्वारा स्वीकृत मात्रा, पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के नाम और उन में से प्रत्येक को दिए जाने वाले कच्चे काजू की मात्रा निर्दिष्ट की गई हो। सीमा शुल्क प्राधिकारी उसी प्राधिकार पत्र के आधार पर माल की निकासी की अनुमति देंगे।

7. भारत का काजू निगम आयातक से सूचना प्राप्त होने से 7 दिनों के भीतर पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को माल की मात्रा प्रदान करेगा। पात्र वास्तविक उपयोक्ता वे संसाधक हैं जिन्होंने काजू के आयात-निर्यात व्यापार में भाग लिया था और जिन्होंने 1968/1969 और 1970 (31-8-1970 तक) के पंचांग वर्षों में से किसी भी वर्ष में काजू संसाधन कारखाने चलाए थे। यदि कोई वास्तविक उपयोक्ता लगातार एक वर्ष की अवधि के लिए काजू के निर्यात व्यापार में न रहा हो तो वह आयातित कच्चे काजू के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।

8. निगम पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को उनके उपयुक्त कारखानों के लिए मात्रा का आबंटन करेगा। पात्रता और मात्रा का निर्धारण निम्नलिखित मापदण्ड लागू करके किया जाएगा :—

- (1) आबंटन वास्तविक उपयोक्ता (औद्योगिक) द्वारा घोषित उन कारखानों के सम्बन्ध में किया जाएगा जिनके प्रपक्ष निगम के पास भर दिए गए थे या सरणीबद्ध करने की तारीख के बाद उनके द्वारा स्वीकृत कर दिए गए थे।
- (2) ऐसा कोई कारखाना जिसमें कर्मचारियों की सुरक्षा, सेवा शर्तें या मजदूरी के नियतन और भुगतान में सम्बन्धित कानून के प्रावधान अनुरूप नहीं हैं, वह निगम से कच्चे काजू की गिरी के आबंटन के लिए पात्र नहीं होगा।
- (3) प्रत्येक कारखाने के सम्बन्ध में आबंटन का निश्चय कारखाने में रखी गई और निगम द्वारा सत्यापित की गई नामावली से प्राप्त की गई मजदूरों की संख्या के आधार पर निगम द्वारा किया जाएगा।
- (4) यदि कारखानों में प्राप्त विवरणी और निगम द्वारा किए गए सत्यापन पर आधारित मजदूरों की संख्या कम हो जाती है तो निगम को मूल आबंटन को दोबारा से निर्धारित करने का अधिकार होगा। उन कारखानों के संबंध में जिनकी नामावली कारखानों के निरीक्षण के दौरान निगम द्वारा सत्यापित नहीं की जा सकी, या यदि निगम किसी कारखाने की हकदारी की पुनरीक्षा करना आवश्यक समझता है, तो निगम इस मद का आयात सरणीबद्ध करने के समय प्रपक्ष में भेजे गए न्यूनतम आंकड़ों के आधार पर निर्धारित मजदूरों की संख्या या यदि

आवश्यक हो तो समर्थक साक्ष्य के साथ 1971 में भरी गई आंकड़ा सूची के आधार पर आबंटन कर सकता है।

9. पात्र वास्तविक उपयोक्ता निगम द्वारा किए गए आबंटन की तारीख से मान दिनों के भीतर अपनी स्वीकृति या अन्यथा रूप से प्रदान की गई मात्रा के लिए निगम को सूचना देंगे। स्वीकृति पत्र इस वचनबद्धता के साथ होना चाहिए कि वे सात दिनों के भीतर या सम्बन्धित आयातक द्वारा विशिष्टीकृत अन्य किसी बड़ाए गए समय के भीतर जैसा भी मामला हो आन्तरिक साख-पत्र खोल देंगे। वह कीमत जिस पर आयातक आयातित कच्चे काजू की गिरी (पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए) निगम के माध्यम से पात्र वास्तविक उपयोक्ता को देगा वह आयातक द्वारा निष्पादित किए गए ठेके अनुसार लागत बीमा भाड़ा मूल्य और उसके 1 प्रतिशत से अधिक कीमत नहीं होगी।

10. पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं से स्वीकृति प्राप्त होने के बाद निगम पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा ऐसी स्वीकृति के ब्यौरे के विषय में आयातकों को सूचना देगा।

11. यदि पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा स्वीकृत की गई मात्रा उनको दी गई मात्रा में कम है तो स्वीकृति में से बची हुई मात्रा आयातक को उसके आयातों के लिए उपलब्ध कराई जाएगी जिसके लिए प्राधिकार पत्र में मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात द्वारा सीमाशुल्क निकासी प्रयोजन के लिए आवश्यक संशोधन जारी किया जाएगा।

12. भारतीय काजू निगम का उत्तरदायित्व उनके द्वारा आयातक को भेजे गए उस पत्र के साथ समाप्त हो जाएगा जिसके अन्तर्गत पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं की स्वीकृति का ब्यौरा दिया गया हो। सभी वित्त सम्बन्धी लेन-देन आयातक और पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं के बीच होंगे।

13. पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को स्वीकृत मात्रा की सुपुर्दगी के लिए आयातक की किसी भी प्रकार की विफलता की सूचना पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं द्वारा भारतीय काजू निगम को भेजी जाएगी जो कि मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात को इस सम्बन्ध में ऐसी कार्रवाई करने के लिए सूचना देगा जो मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात उचित समझे।

14. भारत के काजू निगम अपने स्वयं के खाते में आयातित कच्चे काजू के संबंध में पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को निगम द्वारा आयातित मात्रा का कम से कम 50% वें वितरण के लिए प्रक्रिया उपर्युक्त कंडिका 7 से 11 तक में दर्शाई गई नीति के अनुसार इस शर्त के अधीन होगी कि भारत का काजू निगम स्वयं द्वारा आयात की खरीद समाप्त करने के सात दिनों के भीतर पात्र वास्तविक उपयोक्ताओं को प्रदान की गई मात्रा की सूचना लिखित में देगा। ऐसे प्राधिकरण पत्र के आधार पर सीमाशुल्क प्राधिकारी माल की निकासी की अनुमति देगा।

15. भारत का काजू निगम और निर्यात मदन/व्यापार मदन प्राप्त वास्तविक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए अति-यातित कच्चे काजू की कम से कम 50 प्रतिशत मात्रा देने के बाद शेष मात्रा का किसी भी वास्तविक उपयोक्ता (आ-द्योगिक) को विक्री द्वारा संभरण करने के लिए स्वतंत्र होंगे। वास्तविक उपयोक्ताओं (औद्योगिक) द्वारा किए गए आयातों में से प्राप्त वास्तविक उपयोक्ताओं को वितरण के लिए भारत काजू निगम को कम से कम 50 प्रतिशत मात्रा देने के बाद शेष मात्रा का उपयोग अप्रैल, 1983-मार्च 1984 के लिए आयात-निर्यात नॉटि (जिल्द-1) की कण्डिका 5(i), (2) और (3) में निहित प्रावधानों के अधीन उनके द्वारा किया जाएगा।

पी० सी० जैन, मुख्य नियंत्रक,
आयात एवं निर्यात

MINISTRY OF COMMERCE
IMPORT TRADE CONTROL
PUBLIC NOTICE NO. 22-ITC(PN)|83
New Delhi, the 4th July, 1983

Subject :—Import and distribution policy in respect of raw cashewnuts for 1983-84.

File No. IPC|25|83.—Attention is invited to the Import & Export Policy for April 1983—March 1984 (Volume-I) published under the Ministry of Commerce Public Notice No. 10-ITC(PN)|83 dated the 15th April, 1983.

2. Under the import policy for 1983-84, raw cashewnuts can be imported by Actual Users (Industrial), export houses/trading houses, and Cashew Corporation of India, in accordance with the provisions laid down.

3. The procedure for distribution of 50 per cent of the raw cashewnuts imported which have to be offered by eligible importers for distribution through Cashew Corporation of India to eligible actual users will be as outlined in para 4 to para 13 of this Public Notice.

4. The eligible importer shall within seven days from the conclusion of import purchase, intimate, in writing, to the Cashew Corporation of India Ltd., Cochin in the form prescribed by the Corporation, the details of purchase concluded by the importer even pending signing of a formal contract. The said intimation will be followed up within a fortnight from the conclusion of import purchase by the original contract with a photostat copy for registration by the Cashew Corporation. The importer shall also remit by Demand Draft, registration charges to the Corporation calculated at 1½ per cent of the CIF value of the purchase, alongwith the intimation of import purchase.

5. The intimation referred to in para 4 above shall also clearly indicate the quantity of raw cashewnuts offered to the Corporation for distribution at prices referred to in para 7 below to eligible Actual Users, which will not in any case be less than 50 per cent of the quantity proposed to be imported, and other terms of sale.

6. The Corporation will register the contract within seven days from the date of its receipt from the importer together with a letter of authority which will indicate the quantity to be cleared by the importer and the names of eligible Actual Users alongwith the quantity of raw cashewnuts to be given to each of them. The Customs authorities will allow clearance of the goods on the strength of such letter of authority.

7. The Cashew Corporation of India shall, within seven days from the receipt of the intimation from the importer, offer the quantities to the eligible Actual Users. The eligible Actual Users are those processors who had participated in the import and export trade of cashewnuts and operated cashew processing factories in any of the calendar year 1968, 1969 and 1970 (upto 31-8-1970). An Actual User will cease to be eligible for allocation of the imported raw cashewnuts if he was not in export business for a continuous period of one year.

8. The Corporation shall allocate the quantities to the eligible Actual Users in respect of their eligible factories. The eligibility and the quantum will be determined by applying the following criteria :—

- (i) Allocation will be made in respect of those factories declared by the Actual Users (Industrial) in the proforma filed with the Corporation and/or accepted by them after the date of canalisation.
- (ii) Any factory which does not conform to the provisions of law relating to safety, conditions of service or fixation and payment of wages to the workmen will not be eligible for allotment of raw cashewnuts from the Corporation.
- (iii) The allocation in respect of each factory shall be determined by the Corporation on the basis of the labour strength ascertained from the Muster Roll maintained by the factory and verified by the Corporation.
- (iv) The Corporation shall have the right to refix the initial allocation if the labour strength has come down based on returns from the factories and the verification carried out by the Corporation. With respect of those factories whose Muster Roll could not be verified by the Corporation during the inspection of factories, or where the Corporation considered it necessary to review the entitlement of

any factory, the Corporation may make allocation on the basis of the labour strength determined on the basis of the lowest of the figure reported in the proforma at the time of canalisation of import of this item or the data sheet filed in 1971 with corroborative evidence, if necessary.

9. The eligible Actual Users shall advise the Corporation within seven days from the date of allocation by the Corporation, their acceptance or otherwise for the quantity offered. The letter of acceptance should be accompanied by an undertaking that they will open an internal letter of credit within seven days or such other extended time as may be specified by the importer concerned. The price at which the importer will offer to the eligible actual user through the Corporation, the imported raw cashewnuts (for distribution to the eligible Actual Users) shall be at a price not exceeding the c.i.f. price as per the contract entered into by the importer plus 1 per cent thereof.

10. After receipt of acceptance from the eligible Actual Users, the Corporation will advise the importers about the details of such acceptance by eligible Actual Users.

11. If the quantities accepted by eligible Actual Users are less than the quantities offered to them, the shortfall in acceptance will be available to the credit of importer's share in the imports for which necessary amendment in the letter of authority will be issued by the CCI for customs clearance purposes.

12. The responsibility of the Cashew Corporation of India shall cease with the communication

sent by them to the importer furnishing the details of acceptances by eligible Actual Users. All financial dealings shall be between the importer and the eligible Actual Users.

13. Any failure of the importer to deliver to the eligible Actual Users the quantity accepted by them shall be reported by the eligible Actual Users to the Cashew Corporation of India which, in turn, will bring it to the notice of the Chief Controller of Imports and Exports for such action as deemed fit by the Chief Controller of Imports and Exports.

14. In respect of the raw cashewnut imported by the OCI on its own account the procedure for distribution of not less than 50 per cent of the quantity imported by it to the eligible Actual Users will be as outlined in para 7 to para 11 above subject to the condition that the CCI will intimate in writing to the eligible Actual Users the quantities which it is offering to them within 7 days of the conclusion of the import purchase by it. The Customs authorities will allow clearance of the goods on the strength of such letter of authority.

15. The CCI and Export Houses/Trading Houses, after offering not less than 50 per cent of the imported raw cashewnuts for distribution to eligible Actual Users, will be free to dispose of the balance quantity by sale to any Actual Users (Industrial). In the case of imports effected by Actual Users (Industrial) the quantity remaining as balance, after offering not less than 50 per cent to the CCI for distribution to eligible Actual Users, will be utilised by them under the provisions laid down in para 5(1), (2) and (3) of Volume-I of the Import and Export Policy for April 1983—March 1984.

P. C. JAIN, Chief Controller
Imports & Exports